Need to start construction of AIIMS in Darbhanga district of Bihar- laid

श्री गोपाल जी ठाकुर (दरभंगा): मिथिला एवं उत्तर बिहार का प्रमुख शहर दरभंगा में 750 बेड वाले एम्स का निर्माण 1264 करोड़ की लागत से होना सुनिश्चित हुआ है तथा जिसके लिए 15 सितंबर 2020 को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। यहां तक कि भारत सरकार ने डायरेक्टर की भी नियुक्ति कर दी है ताकि एम्स का निर्माण तीव्रगति से हो सके, परंतु बिहार सरकार की दरभंगा एम्स के प्रति उदासीनता एवं अटकाने, लटकाने और भटकाने की नीति के कारण आज तक दरभंगा एम्स का निर्माण प्रारंभ नहीं हो सका है। बिहार सरकार ने दरभंगा एम्स को डी. एम. सी. एच. परिसर में 200 एकड़ भूमि कैबिनेट से पास करके भारत सरकार को भेज दिया तथा जहाँ एम्स निर्माण से संबंधित मिट्टीकरण, भूमि का समतलीकरण और पुराने भवनों को हटाने का कार्य अंतिम चरण में था, तब अचानक बिहार सरकार ने अपने ही कैबिनेट के फैसले को पलटते हुए बागमती नदी के किनारे शोभन में देने की बात की जो भूमि एम्स हेतु उपयुक्त नहीं थी तथा जिसकी पुष्टि जदयू सांसदों का लिखा पत्र और कांग्रेस एमएलसी का विधान परिषद में दिया गया वक्तव्य भी करता है। बाद में तकनीकी टीम ने भी उक्त भूमि को एम्स के लिए उपयुक्त नहीं माना। यह आम जनता के स्वास्थ्य एवं मूलभूत स्वास्थ्य सुविधा से जुड़ा मामला है। अतः इसका निर्माण तय समय सीमा के भीतर किया जाना आवश्यक है ताकि इसका लाभ करोड़ों मिथिलावासियों को मिल सके। लेकिन अफसोस बिहार सरकार की मिथिलावासियों के प्रति दुर्भावना और नफरत के कारण दरभंगा एम्स का निर्माण कार्य आजतक प्रारंभ नहीं हो सका है।